



27 June, 2024

लोकसभा में विपक्ष के नेता

संदर्भ: रायबरेली के सांसद राहुल गांधी इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, यह पद पिछले 10 वर्षों से रिक्त था, क्योंकि कोई भी पार्टी इस पद हेतु आवश्यक लोकसभा सीटों के दसवें हिस्से की संख्या को पूरा नहीं कर पाई थी।

➤ विपक्ष के नेता की परिभाषा:

- यह संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 में परिभाषित है।
- इस अधिनियम में विपक्ष के नेता को सदन में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता के रूप में वर्णित किया गया है, जिसे राज्यसभा के सभापति या लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मान्यता दी जाती है।

➤ विपक्ष के नेता के लिए आवश्यकताएं:

- पूर्व लोकसभा महासचिव पीडीटी आचार्य के कथनानुसार अध्यक्ष को सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को मान्यता देनी चाहिए।
- यह तर्क आचार्य ने उस परंपरा के खिलाफ दिया, जिसमें यह प्रावधान था, कि किसी पार्टी को विपक्ष का नेता होने के लिए कम से कम 10% सीटों की आवश्यकता होती है।

➤ ऐतिहासिक संदर्भ:

- वर्ष 1984 में, 415 सदस्यों वाली कांग्रेस ने 30 सांसदों वाली टीडीपी को विपक्ष के नेता का पद नहीं दिया था।

➤ भूमिका और विशेषाधिकार:

- लोकसभा में विपक्ष दल का नेता अध्यक्ष के बाईं ओर अग्रिम पंक्ति में बैठता है।
- राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान भी यह अग्रिम पंक्ति के सीट का हकदार होता है।
- यह सदन में विपक्ष की आवाज के रूप में कार्य करता है।
- यह शैडो मंत्रिमंडल के साथ-साथ शैडो प्रधानमंत्री माना जाता है।

➤ जिम्मेदारियाँ:

- यह सीबीआई निदेशक, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त, एनएचआरसी और लोकपाल जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्तियों के लिए समितियों में विपक्ष का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह सदन के कामकाज का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है।

➤ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:

- भारत में विपक्ष का नेता लोकसभा या राज्यसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का नेतृत्व करता है और उनकी भूमिका संसद में विपक्ष के नेता के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 के तहत परिभाषित की जाती है।
- विपक्ष का नेता आम तौर पर विपक्ष में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का नेता होता है और उसे राज्यसभा के सभापति या लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मान्यता दी जाती है।
- विपक्ष का नेता सत्तारूढ़ दल की नीतियों की व्यावहारिक आलोचना और जांच करता है, बहस और चर्चाओं में विपक्ष का नेतृत्व करता है, वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए तैयार रहता है और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सतर्कता आयुक्त के चयन जैसी प्रमुख नियुक्तियों में भाग लेता है।
- विपक्ष का नेता विधायी प्रक्रिया में जांच और संतुलन सुनिश्चित करता है, नीति निर्माण में योगदान देता है, और सरकारी संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता लाता है।
- हाल ही में इस बात पर विवाद हुआ है कि क्या विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी विपक्ष के नेता के पद के लिए योग्य है, अगर उसके पास लोकसभा में कुल सीटों का कम से कम 10% नहीं है, एक प्रथा 1950 के दशक में शुरू हुई थी।

- 1950 के दशक में, लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय दलों को 'पार्टी' के रूप में वर्गीकृत किया था यदि उनके पास सदन की कुल ताकत का 10% या उससे अधिक था, और 'समूह' यदि उनके पास 10% से कम था, हालांकि इस वर्गीकरण ने विपक्ष के नेता की मान्यता को प्रभावित नहीं किया।
- राज्यसभा और लोकसभा दोनों में विपक्ष के नेता को कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा दिया जाता है, जो संसदीय लोकतंत्र में उनके महत्व को दर्शाता है।
- वरीयता क्रम में, विपक्ष के नेता को केंद्र के कैबिनेट मंत्रियों, अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों, पूर्व प्रधानमंत्रियों और राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेताओं के साथ स्थान दिया जाता है।
- यूनाइटेड किंगडम में, शैडो प्रधानमंत्री आधिकारिक विपक्षी दल का नेतृत्व करता है, सरकार को जवाबदेह बनाता है, वैकल्पिक नीतियों का प्रस्ताव करता है और संसदीय बहसों में अपने दल का नेतृत्व करता है।

डकवर्थ लुईस विधि

संदर्भ: 84 वर्षीय फ्रैंक डकवर्थ, जिनका 21 जून को निधन हो गया, ने टोनी लुईस के साथ-साथ क्रिकेट जगत में कई महत्वपूर्ण सुधार किए थे।

➤ डकवर्थ-लुईस विधि

- इस नियम का आविष्कार फ्रैंक डकवर्थ और टोनी लुईस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था, ताकि बारिश से प्रभावित मैचों में निष्पक्ष रूप से परिणाम निर्धारित किए जा सकें और लक्ष्य निर्धारित किए जा सकें।
- इसे पहली बार 1997 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इस्तेमाल किया गया, जिसे 1999 में ICC ने पूरी तरह से अपना लिया।
- कालांतर में ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकीविद् स्टीवन स्टर्न द्वारा 2014 में डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (DLS) विधि में अपडेट किया गया।

➤ उत्पत्ति और उद्देश्य:

- यह विधि बारिश से प्रभावित मैचों में अनुचित परिणामों को संबोधित करने के लिए बनाई गई थी।
- वर्ष 1992 के दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड सेमीफाइनल से प्रेरित, जहां एक अव्यवहारिक संशोधित लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

➤ पिछली विधि: सबसे अधिक उत्पादक ओवर (MPO)

- MPO विधि द्वारा पहली पारी में सर्वश्रेष्ठ 'x' ओवरों की संख्या के आधार पर विपक्षी टीम के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते थे।
- पीछा करने वाली टीम द्वारा फेंके गए सर्वश्रेष्ठ ओवरों को नज़रअंदाज़ किया जाता था और विकेटों के प्रभाव पर भी विचार नहीं किया जाता था।

➤ 'संसाधनों/उत्पादक ओवरों' की अवधारणा:

- डीएल पद्धति ने काटे गए खेलों में स्कोर का अनुमान लगाने के लिए 'संसाधनों' (ओवर और विकेट) की शुरुआत की।
- बाद में ऐतिहासिक डेटा ने संसाधनों और अंतिम स्कोर के बीच घनिष्ठ संबंध दिखाया।

➤ डीएल पद्धति कैसे काम करती है

- यह पद्धति शेष गेंदों और विकेटों को संयुक्त "शेष संसाधनों" के प्रतिशत में परिवर्तित करती है।
- इस सूत्र का उपयोग करके खोए गए संसाधनों के आधार पर लक्ष्य स्कोर को समायोजित करती है:

Face to Face Centres





27 June, 2024

- टीम 2 का बराबर स्कोर = टीम 1 का वास्तविक स्कोर x टीम 2 के संसाधन/टीम 1 के संसाधन।

➤ **गणना और गोपनीयता:**

- रन और संसाधनों के बीच संबंध निर्धारित करने के लिए व्यापक शोध और सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग किया गया।
- सटीक गणितीय परिभाषाएँ गोपनीय रखी जाती हैं।

➤ **आलोचनाएँ:**

- डीएलएस पद्धति की आलोचना गेंदों की तुलना में विकेटों को अधिक महत्व देने के लिए की गई।
- टी20 के लिए यह कम सटीक पद्धति है, जहाँ एक अच्छी साझेदारी खेल को बदल सकती है।
- स्टीवन स्टर्न द्वारा आधुनिक अपडेट का उद्देश्य इन मुद्दों को संबोधित करना है, लेकिन आलोचनाएँ जारी हैं।

➤ **आधुनिक अनुकूलन:**

- डीएलएस पार स्कोर की गणना के लिए उपलब्ध आंकड़ों से अब चार वर्ष के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के औसत से लिया जाता है।

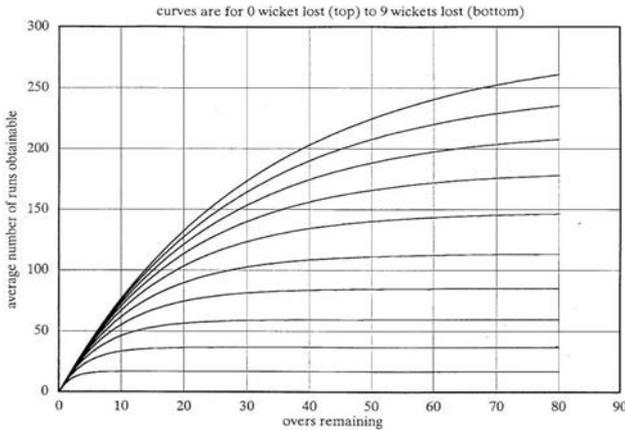


Figure 1 Average number of runs from overs remaining with wickets lost.

भारत का विदेशी ऋण

संदर्भ: भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, मार्च 2024 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण 39.7 बिलियन डॉलर बढ़कर 663.8 बिलियन डॉलर हो गया।

➤ **समग्र विदेशी ऋण अवलोकन:**

- मार्च 2024 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण 663.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो मार्च 2023 के अंत से 39.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर अधिक है।
- विदेशी ऋण-से-जीडीपी अनुपात 2023 में 19.0% से घटकर 2024 में 18.7% हो गया।
- मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण मूल्यांकन प्रभाव 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

➤ **दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण:**

- दीर्घकालिक ऋण (एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता) 541.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो मार्च 2023 के अंत से 45.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर अधिक है।
- अल्पकालिक ऋण (एक वर्ष तक की परिपक्वता) मार्च 2023 में 20.6% से घटकर मार्च 2024 तक कुल बाह्य ऋण का 18.5% हो गया।

➤ **ऋण की संरचना:**

- अमेरिकी डॉलर-मूल्यवान ऋण का हिस्सा सबसे बड़ा 53.8% था, इसके बाद भारतीय रुपया-मूल्यवान ऋण (31.5%), येन (5.8%), एसडीआर (विशेष आहरण अधिकार) (5.4%), और यूरो (2.8%) का स्थान था।
- ऋण बाह्य ऋण का सबसे बड़ा घटक था जो 33.4% था, इसके बाद मुद्रा और जमा (23.3%), व्यापार ऋण और अग्रिम (17.9%), और ऋण प्रतिभूतियाँ (17.3%) थीं।

➤ **क्षेत्रवार वितरण:**

- गैर-वित्तीय निगमों के पास बकाया ऋण का सबसे अधिक हिस्सा 37.4% था, उसके बाद जमा लेने वाले निगम (28.1%), सामान्य सरकार (22.4%), और अन्य वित्तीय निगम (7.3%) थे।

➤ **ऋण सेवा:**

- ऋण सेवा (मूलधन और ब्याज भुगतान) मार्च 2024 तक वर्तमान प्राप्ति का 6.7% हो गया, जो मार्च 2023 में 5.3% से अधिक है, जो उच्च ऋण दायित्वों को दर्शाता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

हनुम प्रदर्शनी



हाल ही में, दुबई आर्ट सेंटर "हनुम" प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है।

हनुम प्रदर्शनी के बारे में:

- "हनुम" प्रदर्शनी वर्तमान में शहर के सबसे पुराने कला संस्थानों में से एक, दुबई आर्ट सेंटर द्वारा आयोजित की जाती है।
- इस प्रदर्शनी में भारतीय लोक और जनजातीय कला का मनमोहक प्रदर्शन किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत के विविध कला रूपों में निहित समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना है।
- प्रदर्शित कलाकृतियों में उत्तराखंड की ऐपण कला, बिहार की मधुबनी कला, महाराष्ट्र की वर्ली कला, केरल की जीवंत भित्ति चित्र और छत्तीसगढ़ की जटिल मुरिया कला शामिल हैं।
- कला का प्रत्येक टुकड़ा भारतीय परंपराओं की आत्मा की एक अनूठी झलक पेश करता है, जो पीढ़ियों से चली आ रही कलात्मक अभिव्यक्तियों को दर्शाता है।
- प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों को पूरे भारत से विभिन्न कलात्मक शैलियों का पता लगाने का अवसर मिलता है, जो देश की सांस्कृतिक समृद्धि और कलात्मक विरासत में एक गहन अनुभव प्रदान करता है।

Face to Face Centres





27 June, 2024

प्रवाल विरंजन



हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि (36 द्वीपों का एक द्वीपसमूह और भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश) लक्षद्वीप को मूंगा विरंजन के मामले में सबसे अधिक क्षति हुई है।

कोरल ब्लीचिंग के बारे में:

- मूंगा ब्लीचिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जो तब होती है जब मूंगे अपने ऊतकों के अंदर रहने वाले शैवाल को बाहर निकाल देते हैं, जिससे वे सफेद हो जाते हैं।
- ज़ोक्सांथेला नामक शैवाल, प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से मूंगों को पोषक तत्व प्रदान करते हैं और उन्हें उनके विशिष्ट रंग देते हैं।
- ऐसा तब होता है जब कोरल पॉलीप्स एक तनाव घटना का अनुभव करते हैं, जैसे: अत्यधिक लवणता, प्रदूषण, अत्यधिक मछली पकड़ने का अवसादन और गर्म पानी का तापमान।
- मूंगे के विरंजन से जैव विविधता का नुकसान हो सकता है, आवास का क्षरण हो सकता है और मूंगा चट्टान पारिस्थितिकी प्रणालियों का लचीलापन कम हो सकता है।
- यह एक विश्वव्यापी घटना है जो उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में चट्टानों को प्रभावित करती है, जिसमें ग्रेट बैरियर रीफ, सबसे बड़ी मूंगा चट्टान प्रणाली भी शामिल है।
- 2,300 किमी तक फैली ऑस्ट्रेलिया की ग्रेट बैरियर रीफ, 400 प्रकार के मूंगों को आश्रय देती है, 1,500 मछली और 4,000 मोलस्क प्रजातियों को आश्रय देती है।

रेडियोधर्मी सामग्री



हाल ही में, दक्षिण अफ्रीकी वैज्ञानिकों ने अवैध शिकार को रोकने के उद्देश्य से एक अग्रणी परियोजना में सीमा चौकियों पर उनका पता लगाना आसान बनाने के लिए जीवित गैंडे के सींगों में रेडियोधर्मी सामग्री इंजेक्ट की।

रेडियोधर्मी सामग्रियों के बारे में:

- रेडियोधर्मी सामग्री में अस्थिर परमाणु होते हैं जो क्षय प्रक्रियाओं से गुजरने पर विकिरण उत्सर्जित करते हैं।
- उन्हें अल्फा, बीटा और गामा विकिरण में वर्गीकृत किया जाता है, प्रत्येक अपनी भेदन क्षमता और पदार्थ में भिन्न है।
- चिकित्सा में, रेडियोधर्मी आइसोटोप का उपयोग नैदानिक उद्देश्यों जैसे पीईटी स्कैन और रेडियोथेरेपी जैसे चिकित्सीय उपचार दोनों के लिए किया जाता है।
- औद्योगिक अनुप्रयोगों में गेज, रेडियोग्राफी और नसबंदी प्रक्रियाओं में उनका उपयोग शामिल है। वैज्ञानिक अनुसंधान परमाणु भौतिकी, रेडियोकार्बन डेटिंग और पर्यावरण निगरानी जैसे क्षेत्रों में रेडियोधर्मी सामग्रियों का उपयोग करते हैं।
- कुछ रेडियोधर्मी सामग्रियों का अर्ध-जीवन लंबा होता है और यदि इसे ठीक से प्रबंधित न किया जाए तो विस्तारित अवधि में इससे संभावित पर्यावरणीय जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।
- अनुचित निपटान या दुर्घटनाओं से मिट्टी, पानी और हवा प्रदूषित हो सकती है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए) रेडियोधर्मी सामग्रियों के सुरक्षित संचालन, परिवहन और निपटान के लिए वैश्विक मानक स्थापित करती है।
- गैंडे के सींगों में थोड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी आइसोटोप इंजेक्ट करके, ये सामग्रियां अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियों पर सींगों को पहचानने योग्य बना सकती हैं।
- इसका उद्देश्य अवैध रूप से गैंडे के सींगों का परिवहन करने वाले शिकारियों को रोकना है।

बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान



हाल ही में, दक्षिण भारत की पहली तेंदुआ सफारी के उद्घाटन के दौरान बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान में आराम करते हुए एक तेंदुए की तस्वीर ली गई थी, जिसमें पूरे कर्नाटक से बचाए गए तेंदुए शामिल थे।

बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान बेंगलुरु, कर्नाटक के दक्षिण में अनेकल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों में स्थित है।
- इसकी स्थापना 1940 में हुई थी और 1974 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- सुवर्णमुखी नदी की धारा पार्क में जानवरों के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है क्योंकि यह इसके केंद्र से होकर बहती है।
- 2002 में, पार्क का एक हिस्सा बन्नेरघट्टा जैविक पार्क बन गया, जो भारत में बाइ से घिरे हाथी अभयारण्य वाला पहला जैविक पार्क था।
- **वनस्पति:** पार्क में विविध वनस्पतियाँ हैं जिनमें नार्सिसस लैटिफोलिया, श्लीचरा ओलोसा, चंदन, इमली, नीलगिरी आदि शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** पार्क विभिन्न प्रजातियों के लिए एक प्रमुख निवास स्थान है, जिनमें लुमप्राय एशियाई हाथी, बाघ, तेंदुए और अन्य वन्यजीव जैसे सांभर हिरण, स्लॉथ भालू और पैंगोलिन शामिल हैं।

Face to Face Centres





27 June, 2024

सुर्खियों में व्यक्तित्व सुचेता कृपलानी



हाल ही में सुचेता कृपलानी को उनकी जयंती पर राष्ट्र ने याद किया गया।

सुचेता कृपलानी (25 जून 1908-1 दिसम्बर 1974)

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ सुचेता कृपलानी का जन्म अंबाला, पंजाब (अब हरियाणा में) में एक बंगाली ब्रह्मो परिवार में हुआ था।

योगदान:

- सुचेता कृपलानी ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन सहित विभिन्न राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- वह 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही और स्वतंत्र भारत में यह पद संभालने वाली पहली महिला बनीं।
- वह उन पंद्रह प्रतिष्ठित महिलाओं में से एक थीं, जिनमें सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, विजयलक्ष्मी पंडित, अम्मू स्वामीनाथन, एनी बैस्करिन, दक्षिणायनी वेलायुधन, बेगम ऐजाज रसूल, दुर्गाबाई देशमुख, हंसा जीवराज मेहता, कमला चौधरी, लीला रॉय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, राजकुमारी अमृत कौर और रेणुका रे शामिल थीं जो मसौदा समिति का हिस्सा थीं।
- सुचेता कृपलानी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी स्थापना 1940 में हुई थी।
- नैतिक मूल्य:** ईमानदारी, करुणा, देशभक्ति, आदि।

सुर्खियों में स्थल बेनिन

हाल ही में, भारत और बेनिन ने राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक, रक्षा, विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण और सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए 24 और 25 जून को कोटोनू, बेनिन में विदेश कार्यालय परामर्श का तीसरा दौर आयोजित किया।

बेनिन (राजधानी: पोर्टो-नोवो)

- स्थान:** बेनिन, जिसे डाहोमी के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिम अफ्रीका में एक देश है।
- सीमाएँ:** बेनिन अपनी सीमाएँ नाइजीरिया (पूर्व), टोगो (पश्चिम), नाइजर (उत्तर-पूर्व) बुर्किना फासो (उत्तर-पश्चिम) और अटलांटिक महासागर (दक्षिण) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- बेनिन का सबसे ऊँचा स्थान मोंट सोकबरो है, जो अटाकोरा पर्वत में टोगो की सीमा के पास स्थित है।
- बेनिन की प्रमुख नदियाँ नाइजर, ओउमे, मोनो और कूफो हैं।
- बेनिन चूना पत्थर, संगमरमर और थोड़ी मात्रा में सोना, फॉस्फेट और पेट्रोलियम के भंडार के लिए जाना जाता है।



POINTS TO PONDER

- नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर कब पहुंचे, जहां वे वर्तमान में बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की चल रही मरम्मत के कारण फंस गए हैं? – 6 जून
- हाल ही में किस केंद्र शासित प्रदेश ने उल्लस - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम या न्यू इंडिया साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) के तहत पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता हासिल की है? – लद्दाख
- भारतीय संसद में लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक किसके द्वारा बुलाई जाती है? – भारत के राष्ट्रपति (आज भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी)
- हाल ही में दक्षिण भारत की पहली और देश की सबसे बड़ी तेंदुआ सफारी का उद्घाटन कहाँ किया गया? – बन्नरघटा जैविक उद्यान
- 27 जून 1954 को कौन सा परमाणु ऊर्जा संयंत्र औद्योगिक बिजली उत्पादन करने वाला दुनिया का पहला संयंत्र बन गया? – ओबनिस्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र

Face to Face Centres





DHYEYA IAS®
most trusted since 2003

DAILY **pre** PARE

Current affairs summary for prelims

27 June, 2024

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR** : 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR**: 9205274743 | **UTTAR PRADESH** PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA**: 9205336037, 38 | **KANPUR**: 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA** BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029



dhyeyaias.com